कुँवारी पिंकी की सील तोड़ चुदाई -11

“मैं जोर-जोर से सोनी की चुदाई करने लगा। क्या मौसम था यार.. और ठण्ड का समय.. खुले आसमान में सोनी की चुदाई की गर्मी में धकापेल करे जा रहा था.. क्या मस्त मजा आ रहा था। …”

Story By: यश हॉटशॉट (yashhotshot)
Posted: Tuesday, April 5th, 2016
Categories: जवान लड़की
Online version: कुँवारी पिंकी की सील तोड़ चुदाई -11

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुँवारी पिंकी की सील तोड़ चुदाई -11

अब तक आपने पढ़ा..

> मैं यह कह रहा ही रहा था कि सोनी ने मुझे एक लिप किस किया और चली गई.. इधर चूंकि कॉल अभी कटी नहीं थी.. तो मैंने पिंकी से बोला- आज तुम कोई बहाना बना कर नीचे ही सो जाना.. सोनी को ऊपर सोने देना।
>
> चूंकि पिंकी ने किस की आवाज सुन ली थी तो वो बोली- ओह्ह्ह.. तो ये बात है.. आप तो हम दोनों से ही मजे ले रहे हो।
> मैं हँस दिया तो पिंकी फिर से बोली- चलो जी.. आपका हुकुम है.. मना कैसे कर सकते हैं।
>
> मैंने कहा- एक काम करो न.. तुम ही आ जाओ न..
> पिंकी बोली- मैं.. ना बाबा ना.. आज तो हिम्मत भी नहीं हो रही है।
> मैंने कहा- आपकी मर्जी है जी..
> फिर पिंकी ने गुडनाईट कहते हुए एक लम्बा सा चुम्बन किया और कॉल काट दी।

अब आगे..

पिंकी की कॉल काटने के बाद मैंने सोचा क्यों न आराम ही कर लूँ.. अभी तो बहुत काम करना है।

मैं अलार्म 12:15 पर सैट करके लेट गया क्योंकि मैं भी थक गया था, लगातार 3 दिन से दोनों बहनों की चुदाई कर रहा था.. तो आराम करना तो चाहिए ही था।

मैं सोचने लगा कंडोम से तो मजा आता ही नहीं है.. बिना कंडोम के ही चुदाई करनी पड़ेगी.. तभी मजा आएगा।
साथ ही मैं यह भी सोच रहा था कि अब कैसे चोदूँ.. कुछ नया करने का मन कर रहा था।
यही सब सोचते-सोचते कब सो गया.. पता ही नहीं चला।

करीब 12:15 पर मेरे फ़ोन का अलार्म बजा.. मैं उठा और हाथ-मुँह धो कर अपने कमरे में गया.. और एक गोली निकाली और दूध के साथ पी गया और फिर छत पर चला गया।

छत पर तो बहुत जोर की हवा चल रही थीं और आस-पास बहुत अन्धेरा था.. हल्की-हल्की ठण्डक भी थी। मैंने सोचा क्यों न आज सोनी की पहली चुदाई खुले आसमान के नीचे की जाए।

पांच मिनट बाद सोनी भी आ गई और वो मेरी छत पर आ गई.. उसने लाल रंग की नाईट ड्रेस पहनी हुई थी और बालों को खोल रखा था.. क्या मस्त पटाखा लग रही थी।
मैंने उसको अपने पास खींचा और उसके प्यारे से कोमल मुलायम होंठों को चुम्बन करने लगा।

इतने में सोनी अपने होंठों को हटा कर बोली- हॉटशॉट बेबी.. यहीं सब कुछ करोगे क्या?
मैंने कहा- हाँ जी, एक राउंड तो यहीं होगा।
सोनी बोली- यार ठण्ड भी लग रही है और किसी ने देख लिया तो?

मैंने उसको पकड़ा और उसके पीछे से चिपक गया और उसे कसके जकड़ लिया। उसकी कमर में दोनों हाथों को बांध लिया और फिर चारों तरफ उसको घुमा कर बोला- देखो कोई

दिख रहा है यहाँ पर.. या तुमको कुछ दिख रहा है.. यह बताओ ?
फिर सोनी बोली- ठीक है.. पर यहाँ पर जल्दी करना.. ओके..
मैं भी बोला- ओके जी।

फिर मैं ऊपर वाले कमरे से गद्दा लेकर आया और फर्श पर बिछा दिया, अब मैं सोनी के पास गया और उसके होंठों पर चुम्बन करने लगा.. साथ में ही उसकी गाण्ड को दबाने लगा।
मैंने महसूस किया कि सोनी ने पैंटी नहीं पहनी थी और उसका नाईट सूट भी बहुत ही पतला था।

मैं उसको लगातार चुम्बन कर रहा था और पीछे से ही उसकी गाण्ड में उंगली कर रहा था, सोनी भी मेरा साथ दे रही थी।

अब हम दोनों की साँसें हल्की सी तेज हो गईं और मैं सोनी के कान के पीछे से उसकी गर्दन पर जोर-जोर से चूसने और चूमने लगा। सोनी भी गर्म होती जा रही थी और वो अपना हाथ मेरे लण्ड के पास ले जाकर उसको लोअर के ऊपर से ही सहलाने लगी।

मैं नीचे बैठ कर सोनी की नाभि को चाटने लगा और एक हाथ उसके चूचों पर रखा तो मुझे महसूस हुआ कि आज सोनी ने ब्रा भी नहीं पहनी थी।
मैं देर न करते हुए सोनी के चूचों को जबरदस्त तरीके से दबा रहा था.. और अब सोनी सिसकारियाँ लेने लगी थी।

हम दोनों गर्म हो रहे थे और ऊपर से ठंडी हवा चल रही थी.. तो मस्ती वाला मौसम लग रहा था।
इतने में सोनी बोली- यार ठण्ड लग रही है..

मैं उठा और उसको अपनी गोद में ले कर गद्दे पर लेटा दिया और उसके ऊपर आ गया और

बोला- अब लग रही है ठण्ड ?
तो हँस कर बोली- नहीं.. अब ठण्ड नहीं लग रही है।

फिर से मैं उसके होंठों को चूमने लगा और अब मैंने उसका ऊपर से सूट को निकाल दिया और जोर-जोर से सोनी के चूचों को चूसने लगा।

तो सोनी बोली- आराम से करो ना.. मैं कहीं जा थोड़ी रही हूँ।
पर मैं और जोर-जोर से चूसने लगा.. मैं उसके एक चूचे को दबाए जा रहा था.. जिससे सोनी सिसकारियाँ लेने लगी।

पांच मिनट सोनी के चूचों को खूब चूसा और दबाया.. अब सोनी पूरी गर्म हो गई थी.. फिर मैंने सोनी का पजामा भी उतार दिया और सोनी ने मेरे कपड़े भी उतार दिए।
अब हम दोनों को ही ठण्ड लगने लगी थी.. तो मैंने 69 का पोज़ अख्तियार किया।

मैं नीचे पीठ के बल लेटा हुआ था और सोनी पेट के बल होकर मेरे ऊपर लेट गई..
सोनी मेरा लण्ड को चूस रही थी और मैं सोनी की चूत को चाट रहा था।
ऐसा करने से हम दोनों ही गर्म हो रहे थे और ठण्ड भी नहीं लग रही थी।

अब मैंने सोनी के चूत के दाने को अपने होंठों में दबा लिया.. उधर सोनी ने मेरे लण्ड को जोर-जोर से चूस रही थी।
दोस्तो.. उस वक्त क्या मजा आ रहा था.. यूँ लग रहा था.. जैसे किसी दूसरी दुनिया में हूँ।
हम दोनों ही 'ह्ह्ह्ह्ह.. अह्ह्ह्ह्ह्ह.. म्मूऊऊ.. उम्म्म.. उम्म्मू..ऊ.. आह्ह..' कर रहे थे।

अब मैंने अपनी उंगली में थूक लिया और सोनी की गाण्ड पर लगा कर जैसे ही एक उंगली उसकी गाण्ड के छेद में डाल रहा था.. तो लगा कि उसकी गाण्ड अभी भी टाइट ही थी।
मैंने एक उंगली डाल कर निकाल दी.. वो हल्का सा उछल गई.. फिर मैंने जोर लगा कर

सोनी की चूत में उंगली डाली और अन्दर-बाहर करने लगा और साथ ही मैं उसकी चूत को भी चाटता गया।

सोनी ने भी मुँह से लण्ड निकाल दिया और जोर-जोर से सिसकारियाँ लेने लगी।
'ऊऊऊह.. ह्हम्म.. ऊऊओहह.. आहह.. उम्म्म.. यश और जोर-जोर से चाटो ऊओह्ह.. ऊऊईईई..'
मैं लगातार दाना चूसता रहा..

इतने में सोनी बोली- मेरा पानी निकलने वाला है..
मैं और जोर-जोर से उसकी चूत को चाटता और गाण्ड में उंगली करता रहा।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

अब जैसे ही मैंने 2 उंगलियां उसकी गाण्ड में डालीं.. वो जोर से सीत्कार कर पड़ी- आआ.. आह्ह्ह्ह..!
मस्त आवाज करते हुए वो झड़ गई और सारा पानी मेरे मुँह पर निकाल दिया।
मैंने देखा सोनी की चूत पूरी तरह से गीली हो गई है।

मैंने सोनी को पीठ के बल लेटा दिया और दोनों टाँगें खोल कर बीच में आ गया, मैंने अपने लण्ड को सोनी की चूत पर रखा और रगड़ने लगा।
सोनी को भी मजा आने लगा.. सोनी फिर से 'ऊओह्ह्ह.. और करो.. अब तरसाओ मत.. डाल दो अपना लण्ड.. ऊऊओहह..'

मैंने भी लण्ड को सोनी की चूत पर रखा और जोर से धक्का मारा.. और आधा लण्ड अन्दर घुसता चला गया।
सोनी 'ओह्ह्ह..' चिल्ला पड़ी।
मैंने एक पल उसको देखा और फिर से जोर से धक्का मारा.. मेरा पूरा लण्ड अन्दर घुसता

चला गया।

बहुत तेज आवाज में वो चिल्लाई- ऊऊहह.. मार दिया.. धीरे करो न जानू..
मैं अब धीरे-धीरे लण्ड को अन्दर-बाहर करने लगा।

चुदाई ने अपनी ताल और चाल तय कर ली थी और उधर मानो सोनी ने अपनी मस्त आवाजों 'आह्ह्ह्ह.. ऊऊहह.. मजा आ गया.. ओह्ह पेलो.. राजा..' से चुदाई की ताल में अपना सुर मिला दिया था।

मैं जोर-जोर से सोनी की चुदाई करने लगा। मेरा धक्का लगता और सोनी 'ऊऊओह्ह्ह्ह..' की सीत्कार निकलती जा रही थी... साथ ही वो जोर से बोल रही थी- यस मेरे हॉटशॉट.. बेबी.. चोदो जोर-जोर से.. चोदो.. राजा.. आह्ह..

क्या मौसम था यार.. और ठण्ड का समय.. खुले आसमान में सोनी की चुदाई की गर्मी मैं धकापेल करे जा रहा था.. क्या मस्त मजा आ रहा था।
करीब 10 मिनट तक मैंने उसको ऐसे ही चोदा।

फिर मैं पीठ के बल लेट गया और सोनी को अपने ऊपर बैठा लिया और फिर सोनी ने मेरा लण्ड पकड़ कर अपनी चूत में डाला और फिर धीरे-धीरे ऊपर-नीचे होने लगी।
मैं भी उसकी कमर पकड़ कर ऊपर-नीचे करने लगा।

अब मैंने स्पीड थोड़ी बढ़ा दी और सोनी भी जोर-जोर से ऊपर-नीचे होने लगी, वो बोल रही थी- आह्ह.. चोदो और चोदो जोर-जोर से आह्ह.. मेरे लवड़े.. और जोर से.. जोर से चोदो.. हाँ ऐसे ही.. आह्ह..

हम दोनों ने बार-बार रुक-रुक कर 8 से 10 मिनट चुदाई की.. जिसमें मैं नीचे था.. तो मुझे थोड़ा आराम मिल गया।

अब मैंने उसे उठाया और डॉगी स्टाइल पोज़ में उसको होने को कहा और मैं उसके पीछे घुटनों के बल खड़ा होकर उसकी चूत में थूक लगाया और अपने लण्ड पर भी.. और पेल दिया.. एक ही बार में पूरा लण्ड अन्दर चला गया।

अब फिर से सोनी की जोरदार चुदाई शुरू हो गई, सोनी जोर-जोर से सिसकारियाँ लेने लगी- ओह्ह.. आह्ह..
करीब 5 मिनट इस पोज़ में चोदने के बाद हम दोनों ही पसीने से भीग गए थे।
फिर मैंने सोनी को पेट के बल लेटा दिया, अपने कपड़े से उसकी चूत साफ़ की और फिर उसकी चूत को चाटने लगा।

जैसे ही मेरे कान में जोर-जोर से सोनी की सिसकारियाँ आतीं.. मैं और जोर-जोर से उसकी चूत को चाटने लगता।

कुछेक मिनट उसकी चूत को चाटा ही होगा कि सोनी बोली- अब डालो न अपना लण्ड मेरी चूत में..
मैंने अपने लण्ड को उसके मुँह में डाला और बोला- पहले चूसो तो जल्दी से..
सोनी जोर-जोर से चूसने लगी।

यारो.. सच में जब कोई लड़की लण्ड को चूसती है तो क्या बेहतरीन मजा आता है मानो जन्नत की सैर कर रहा होऊँ।

अब मेरा लण्ड भी गीला हो गया था। मैंने सोनी को फिर से पेट के बल लेटा दिया और एक ही झटके में पूरा लण्ड को अन्दर डाल दिया और जोर-जोर से चोदने लगा।
सोनी और मेरी आवाज चुदाई के सुर-ताल को खुले वातावरण में गूँजने लगी।
सच में आज खुले में सोनी को चोदने में बहुत मजा आ रहा था।

दस मिनट चोदने के बाद ही सोनी ने सारा माल निकाल दिया.. पर मैं उसे लगातार चोदे ही जा रहा था।
इस पोज़ में सोनी को चोदने में बहुत मजा भी आ रहा था और सोनी मस्ती में सिस्कारती हुई मुझे और मजा देने में लगी हुई थी।

करीब 15 मिनट इस पोज़ में सोनी को चोदा। मैंने तो गोली खाई हुई थी तो मेरा लण्ड तो हार मानने वाला ही नहीं था।

मुझे फिर से उसे घोड़ी बना कर चोदने का मन हुआ.. तो मैं सोनी को छत पर जो कमरा बना है.. जहाँ पिंकी की भी शुरुआत में चुदाई की थी.. उसे उस कमरे में ले गया।

अब उधर उसे घोड़ी बना कर उसकी चूत पर थूक लगा दिया। मैंने अपने हाथ से अपने कड़क लण्ड को पकड़ कर उसकी चूत में डाल कर उसकी कमर पकड़ ली और जोर-जोर से फुल स्पीड से उसकी चुदाई करना चालू कर दी।
इस पोज में उसकी झूलती चूंचियाँ मुझे बड़ी अच्छी लग रही थीं.. सो कभी-कभी उसके चूचों को भी दबा देता था।

अब मैं जो भयंकर किस्म के धक्कों के साथ उसकी चुदाई कर रहा था.. उसकी तो चीखें ही निकल गईं।
।सोनी- ऊऊओहह.. यश.. आराम से करो न.. ओह्ह.. बहुत दर्द हो रहा है.. यार..

पर मैं कहाँ अपने होश में था.. बस सोनी की चुदाई करने में लगा हुआ था। अब मैंने उसके दोनों हाथों से उसके चूतड़ों को पकड़ लिए और जोर-जोर से चुदाई करने लगा।

हम दोनों की आवाजें कमरे में गूंज रही थीं। दसेक मिनट इस पोज़ में चुदाई की तो सोनी बोली- यश मेरा फिर से आने वाला है।

।मैंने भी अपनी स्पीड फुल कर दी। सोनी की जो धकापेल चुदाई हो रही थी.. वो तो सोनी को ही समझ आ रहा था।

कुछ पल बाद सोनी और मैं दोनों ही एक साथ झड़ गए और मैं सोनी को लेकर बाहर आ गया.. उसे गद्दे पर लेटा दिया और मैं भी उसके बाजू में आ गया।

हम दोनों एक-दूसरे को जोर से चिपकाए हुए थे.. हमारे बीच से हवा भी नहीं निकल सकती थी।
अब हम दोनों ही एक दूसरे को चुम्बन कर रहे थे। ये सब करते हुए एक घंटे से ज्यादा हो गया था।

फिर 15 मिनट आराम करके उठे.. और मैंने गद्दे को वापस कमरे में रख दिया। अब तक दोनों ने कपड़े भी नहीं पहने थे.. और कपड़े हाथ में लिए ही नीचे आने लगे। मैंने सोनी को गोद में उठाया हुआ था, मैं उसे कमरे में ले गया.. और चुम्बन करने लगा।

फिर मैंने पूछा- कैसा रहा खुले आसमान के नीचे चुदाई करवाने में.. मजा आया या नहीं. ?
तो सोनी मुस्कुराते हुए बोली- सच में यार.. बहुत मजा आया।
मैंने कहा- तो फिर से चलते हैं।
सोनी बोली- नहीं.. अब नहीं.. आप तो मेरी जान ही निकाल देते हो।

फिर मैंने कहा- तो बताओ.. अब कैसे करना है ?
सोनी बोली- पहले 5 मिनट आराम कर लूँ फिर..
मैंने कहा- ओके जी..
हम दोनों चिपक कर लेट गए।

अभी कहानी जारी है।

अपने मेल करना न भूलें और बताएं कि आपको मेरी स्टोरी कैसी लगी।

yashhotshot2@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-2

नमस्कार दोस्तो, मेरी पहली और सच्ची दास्ताँ मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-1 को जो अपने प्यार दिया, उसके लिए सभी का धन्यवाद. मेरी कहानी के पहले भाग में जैसा कि आपने देखा कि मेरे मामा की बेटी कोमल और […]

Full Story >>>

गांडू दोस्त की गांड चुदाई और बेवफाई

हाय दोस्तो, यह कहानी मेरी और मेरे एक फ्रेंड सन्नी की है. हम दोनों पिछले कई साल से रिलेशन में हैं. इन सालों में मैंने हजारों बार उसे चोदा होगा और लंड तो पता नहीं, कितनी बार चुसाया होगा. एक […]

Full Story >>>

अतृप्त वासना का भंवर-4

आपने अब तक की कहानी में पढ़ा था कि मैं सुखबीर के साथ सम्भोग करने में लगी थी. अब आगे.. करीब 2 से 5 मिनट होने चले थे और सुखबीर के शरीर से पसीना बहने लगा था. मैं अपनी मस्ती […]

Full Story >>>

एक्स साली की चूत गांड की चुदाई का मजा

प्यार की चाहत वो कर सकती है, जिसकी कोई कल्पना भी न करे. मेरी शादी एक बहुत ही सुन्दर लड़की से हुई. लेकिन शादी के एक साल बाद ही एक दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गई. मेरी एक ही साली […]

Full Story >>>

चालू लड़की दर्द का नाटक करके चुदी

नमस्कार दोस्तो, अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली हिंदी सेक्स कहानी है, उम्मीद है आप लोगों को पसंद आएगी. मेरा नाम आदित्य है. मैं एक छोटे से शहर का रहने वाला हूँ. अभी बीए फाइनल में हूँ. मेरा कद 5 फुट […]

Full Story >>>